स.शि.प./जुलाइ ९९/१०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग परिचय
प्रश्नपत्र – २

दोपहर २:०० से ४:१५] (रविवार, १८ जुलाई, १९९९) **कुल अंक : ७५**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गए हैं।

(विभाग - २ किशोर सत्संग परिचय)

प्र. १. निम्नांकित में से कोई भी दो विधान किसने, किसे तथा कब कहा है, यह लिखिए । ६

१. *''हम स्मरण करें और तत्काल सहायता करें, ऐसा कोई भगवान इस समय पृथ्वी पर प्रगट है ?''*
२. *''मेरो कंगन निकारी गयो रे..... ''*
३. *''अभी तक दूर क्यों खड़े थे ?''*
४. *''बाई, बहुत मुमुक्षु है, तो आप यहाँ रह कर उससे भगवान की बाते करना।''*

प्र. २. निम्नांकित में से किसी एक पर १२ पंक्तियोँ में टिप्पणी लिखिए । ४

१. *हिमराज शाह*
२. *सत्संग*
३. *स्वरूपानंद स्वामी।*

प्र. ३. निम्नांकित में से किन्हीं दो को आठ पंक्तियोँ में कारण देकर समजाइए । ४

१. *घनश्यामदास को गुणातीतानन्द स्वामी की महिमा समझ में आ गई।*
२. *महाराज ने अठारह भक्तों को त्यागी किया।*
३. *नथु भट्ट ने दामोदर को साष्टांग दंडवत् किया।*
४. *राजबाई की देह को अग्नि स्पर्श नहीं कर सकी।*

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दिजिए । ७

१. *भूतप्रेतादिक के उपद्रव को मिटाने के लिए महाराजने क्या उपाय बतलाये हैं ?*

२. *गोपीनाथ की मूर्ति किसे दर्शन देकर क्या देती थी ?*
३. *पुतलीबाई नरक में क्यों गई ?*
४. *श्रीजीमहाराजने गलुजी को पत्र द्वारा क्या आज्ञा दी ?*
५. *श्रीजीमहाराज को जिमने के लिये विष्णुदास क्या लेकर जाते ?*
६. *श्रीजीमहाराजने नरनारायण देव को कहाँ पर स्थापित किया है ?*
७. *शास्त्रों का श्रवण किनके मुख द्वारा करना चाहिये ?*

प्र. ५. निम्नांकित 'स्वामी की बात' पूर्ण कर के उसका निरूपण किजिए अथवा वचनामृत का निरूपण कीजिए । ५

'हीरा कोई रीति से ..... '

अथवा

वचनामृत गढडा प्रथम आठवें का निरूपण करें।

प्र. ६. निम्नांकित में से किन्हीं चार कीर्तन/श्लोक/अष्टक की पंक्तियाँ पूर्ण किजिए । ८

१. *भववारिधि.....भजे सदा।*
२. *निजसेवकने रे..... जेम छाजे।*
३. *निर्मानमोहा ..... पदमव्ययं तत्*
४. *षडक्षरीमंत्र ..... एज थाय।*
५. *जरकसियो जामो ..... मन मारे मानता रे ..*

(विभाग - २ प्रागजी भक्त)

प्र. ७. निम्नांकित में से कोई भी दो विधान किसने, किस से और कब कहा, यह लिखिए । ६

१. *''यह ज्ञान मुझे न दें ?''*
२. *''तुम बहुत बहक गये, किंतु मैं तुमको विमुख कर दुँगा।''*
३. *''घबराना नहीं मन्दिर की कुन्चियां तो यहीं पर हैं।''*
४. *''मैंने नहीं रखा, स्वामिनारायणने रखा है।''*

प्र. ८. निम्नांकित से कोई एक को बारह पंक्तियों में कारण सहित समजाइए । ४

१. *खाँभडा गाँवमें गुणातीतानंद स्वामी ने रात्रि को देर से रोटी मंगाई।*
२. *कमा सेठ ने प्रागजी भक्त से माफी माँगी और धोती औढ़ाई।*
३. *उना में गुणातीतानंद स्वामी को डाँट देने की बात मन में ही रह गई।*

प्र. ९. निम्नांकित में से किसी एक पर लगभग १५ पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ५

१. जूनागढ में अपूर्व सन्मान। २. साक्षात्कार।

३. अक्षरवर की माँग।

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । ७

१. प्रागजी भक्तने आचार्य के लिये क्या बनाकर भेंट दी थी ?

२. प्रागजी भक्त कौन से हनुमान की पूजा करते ?

३. भगतजी महाराजने शास्त्रीजी महाराज को दी गई मूर्ति को प्रसादरूप कैसे किया ?

४. सं. १८२२ में चैत्र पूर्णिमा के समारोह में जाने से पहेले स्वामी क्या बोले ?

५. भगवान किसे जकड कर रखते हैं ?

६. भगतजी की आज्ञा से शास्त्रीजी महाराज ने किसे चरणाविंद की जोडी दे दी ?

७. भगतजी के शिर पर कितने घन्टों का कमर्य क्रम रहता था ?

प्र. ११. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर बारह पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ४

१. थोरे केलां।

२. अडसठ तीर्थ सदगुरु के चरणों में।

३. गढपुर में जल-झीलणी का समारोह ओर ज्ञान वार्ता।

(विभाग - ३ 'सत्संग प्रवेश' परीक्षा के पुस्तकों के आधार पर)

प्र. १२. निम्नांकित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । १५

१. अपनी वाणी को स्वयं ही श्राप दिया।

अथवा

सेवकराम की कृतघ्नता।

२. शास्त्रीजी महाराज ने जागा स्वामी को मिलने जाने का बन्धन तुडवाया।

अथवा

यह शिर गुणातीत के लिये मुँडवाया है।

३. व्यापकानंद स्वामी।

अथवा

निर्गुणदास स्वामी का सत्संग के प्रसार में योगदान।

* * *